9 धातु-रूप

जिस शब्द के द्वारा किसी काम का करना या होना पाया जाता है, उसे क्रिया कहते हैं। संस्कृत की क्रियाएँ जिन मूल (सबसे पहले के) रूपों से बनती हैं, उन्हें धातु कहते हैं। **जैसे–** पठति– पढ़ता है, में पढ़ने का होना पाया जाता है। अत: 'पठति' क्रिया है। यह 'पठ्' मूल से बनती है, अत: पठ् धातु है।

क्रिया के भेद

कर्म के अनुसार क्रिया के दो भेद होते हैं– 1. सकर्मक और 2. अकर्मक।

(1) सकर्मक– जिन क्रियाओं के व्यापार का फल कर्त्ता को छोड़कर किसी अन्य पर पड़ता है, उन्हें सकर्मक कहते हैं। क्रिया के आगे 'क्या' अथवा 'किसको' लगाने पर उत्तर में आनेवाला शब्द 'कर्म' होता है। **जैसे–** रामः पुस्तकं पठति– राम पुस्तक पढ़ता है, में 'पठति' क्रिया का फल 'पुस्तकम्' पर पड़ रहा है और क्या पढ़ता है? के उत्तर में भी 'पुस्तकम्' आता है। अत: 'पुस्तक' कर्म और 'पठति' सकर्मक क्रिया है।

(2) अकर्मक– जिन क्रियाओं का फल कर्त्ता पर ही पड़ता है, वे अकर्मक क्रियाएँ कही जाती हैं। **जैसे–** रामः शेते– राम सोता है, में सोने का फल राम पर है; अत: 'शेते' क्रिया अकर्मक है। लज्जा (लजाना), सत्ता (होना), स्थिति (ठहरना), जागरण (जागना), वृद्धि (बढ़ना), क्षय (घटना), भय (डरना), जीवित (जीना), मरण (मरना), शयन (सोना), क्रीड़ा (खेलना), रुचि (इच्छा), दीप्ति (प्रकाश) अर्थ रखनेवाली धातुएँ प्राय: अकर्मक होती हैं।

लकार

प्रत्येक क्रिया किसी-न-किसी समय में होती है। इस काल को सूचित करने के लिए संस्कृत में दस लकारों की कल्पना की गयी है। ये लकार हैं– लट्, लृट्, लङ्, लुङ्, लिट्, लोट्, लिङ् (विधिलिङ्, एवं आशीर्लिङ्) लुट्, लृङ्, लेट्। किन्तु, पाठ्यक्रमानुसार यहाँ केवल लट्, लङ्, लृट्, लोट्, विधिलिङ्– इन पाँच लकारों का ही विवेचन किया गया है।

(1) लट्– वर्तमान काल– इसका प्रयोग वर्तमान काल में होनेवाले किसी भी कार्य को बताने के लिए होता है। **जैसे–** सः पठति– वह पढ़ता है।

(2) लृट्– सामान्य भविष्यत् काल को प्रकट करने के लिए इसका प्रयोग होता है। **जैसे–** सः गृहं गमिष्यति– वह घर जायेगा।

(3) लङ्– जो क्रिया आज से पूर्व हो चुकी हो, उसमें इस लकार का प्रयोग होता है। **जैसे–** रामः गृहम् अगच्छत्– राम घर गया।

(4) लोट्– आज्ञा, प्रार्थना, अनुमति, आशीर्वाद आदि अर्थों में इसका प्रयोग होता है। **जैसे–** स्वगृहं गच्छ– अपने घर जाओ (आज्ञा)।

(5) विधिलिङ्– सामान्यतया 'चाहिए' के अर्थ में इस लकार का प्रयोग होता है। **जैसे–** सत्यं ब्रूयात्– सत्य बोलना चाहिए।

पाठ्यक्रमानुसार इन लकारों में कुछ धातुओं के रूप यहाँ दिये जा रहे हैं। उन्हीं के अनुसार अनेक अन्य धातुओं के रूप चलाये जाते हैं। पद के अनुसार धातुएँ (क्रियाएँ) तीन प्रकार की होती हैं– (1) परस्मैपदी, (2) आत्मनेपदी, (3) उभयपदी।

(1) परस्मैपदी– वाक्य में जिस धातु का फल कर्त्ता को न मिले, किसी दूसरे को मिले, उसे परस्मैपदी कहते हैं। **जैसे–** मोहनः पठति। इस वाक्य में पढ़ने का फल मोहन को न मिलकर दूसरे को मिलता है, जिसके लिए वह पढ़ रहा है।

(2) आत्मनेपदी– वाक्य में जिस धातु का फल कर्त्ता को मिले, उसे आत्मनेपदी कहते हैं। **जैसे–** अहं भुञ्जे– मैं खाता हूँ। इस वाक्य में खाने का फल 'अहम्' कर्त्ता को मिल रहा है।

(3) उभयपदी– वाक्य में जिस धातु का फल कर्त्ता को और दूसरे को भी मिले, उसे उभयपदी कहते हैं। **जैसे–** अध्यापकः कथयति– अध्यापक कहता है। इस वाक्य में कहने का फल अध्यापक को मिलता है और उसके लिए भी जिससे कहा गया है।

धातु-रूप (परस्मैपदी)

1. भू (होना)

लट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	भवति	भवत:	भवन्ति
म0 पु0	भवसि	भवथ:	भवथ
उ0 पु0	भवामि	भवाव:	भवाम:

लृट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	भविष्यति	भविष्यत:	भविष्यन्ति
म0 पु0	भविष्यसि	भविष्यथ:	भविष्यथ
उ0 पु0	भविष्यामि	भविष्याव:	भविष्याम:

लङ् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	अभवत् **(2019AQ)**	अभवताम्	अभवन्
म0 पु0	अभव:	अभवतम् **(2020MP)**	अभवत **(2019AT)**
उ0 पु0	अभवम्	अभवाव	अभवाम

लोट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	भवतु **(2020MR)**	भवताम्	भवन्तु **(2019AU)**
म0 पु0	भव **(2020MS)**	भवतम् **(2019AP)**	भवत
उ0 पु0	भवानि	भवाव	भवाम

विधिलिङ् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	भवेत्	भवेताम्	भवेयु:
म0 पु0	भवे:	भवेतम्	भवेत
उ0 पु0	भवेयम् **(2020MO)**	भवेव	भवेम

2. वस् (निवास करना)

लट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	वसति	वसत:	वसन्ति
म0 पु0	वससि	वसथ: **(2019AU)**	वसथ
उ0 पु0	वसामि	वसाव:	वसाम:

लङ् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	अवसत् **(2020MS)**	अवसताम्	अवसन्
म0 पु0	अवस:	अवसतम्	अवसत
उ0 पु0	अवसम्	अवसाव	अवसाम

लृट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	वसिस्यति	वसिस्यत:	वसिस्यन्ति
म0 पु0	वसिस्यसि	वसिस्यथ: **(2019AR)**	वसिस्यथ
उ0 पु0	वसिस्यामि	वसिस्याव:	वसिस्याम:

लोट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	वसतु	वसताम्	वसन्तु
म0 पु0	वस	वसतम्	वसत
उ0 पु0	वसानि	वसाव	वसाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	वसेत्	वसेताम्	वसेयु:
म० पु०	वसे: **(2018HQ)**	वसेतम् **(2020MR)**	वसेत
उ० पु०	वसेयम्	वसेव	वसेम

3. स्था, तिष्ठ (ठहरना)

लट् लकार

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्र० पु०	तिष्ठति	तिष्ठत:	तिष्ठन्ति
म० पु०	तिष्ठसि **(2020MQ)**	तिष्ठथ:	तिष्ठथ
उ० पु०	तिष्ठामि **(2020MO)**	तिष्ठाव:	तिष्ठाम:

लृट् लकार

प्र० पु०	स्थास्यति **(2019AU)**	स्थास्यत:	स्थास्यन्ति
म० पु०	स्थास्यसि	स्थास्यथ: **(2019AP)**	स्थास्यथ
उ० पु०	स्थास्यामि	स्थास्याव:	स्थास्याम:

लङ् लकार

प्र० पु०	अतिष्ठत्	अतिष्ठताम्	अतिष्ठन्
म० पु०	अतिष्ठ:	अतिष्ठतम्	अतिष्ठत
उ० पु०	अतिष्ठम्	अतिष्ठाव	अतिष्ठाम

लोट् लकार

प्र० पु०	तिष्ठतु	तिष्ठताम्	तिष्ठन्तु
म० पु०	तिष्ठ	तिष्ठतम्	तिष्ठत
उ० पु०	तिष्ठानि	तिष्ठाव	तिष्ठाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	तिष्ठेत्	तिष्ठेताम्	तिष्ठेयु:
म० पु०	तिष्ठे:	तिष्ठेतम्	तिष्ठेत
उ० पु०	तिष्ठेयम्	तिष्ठेव	तिष्ठेम

4. पा, पिब् (पीना)

लट् लकार

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्र० पु०	पिबति	पिबत:	पिबन्ति
म० पु०	पिबसि	पिबथ:	पिबथ
उ० पु०	पिबामि	पिबाव:	पिबाम: **(2019AS, 20MR)**

लृट् लकार

प्र० पु०	पास्यति **(2020MQ)**	पास्यत:	पास्यन्ति
म० पु०	पास्यसि **(2020MT)**	पास्यथ:	पास्यथ
उ० पु०	पास्यामि **(2019AR)**	पास्याव:	पास्याम:

लोट् लकार

प्र० पु०	पिबतु	पिबताम्	पिबन्तु **(2019AR)**
म० पु०	पिब	पिबतम्	पिबत
उ० पु०	पिबानि	पिबाव	पिबाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	पिबेत् **(2019AP)**	पिबेताम्	पिबेयु:
म० पु०	पिबे:	पिबेतम् **(2019AQ)**	पिबेत
उ० पु०	पिबेयम्	पिबेव	पिबेम

लङ् लकार

प्र० पु०	अपिबत्	अपिबताम्	अपिबन्
म० पु०	अपिब:	अपिबतम्	अपिबत
उ० पु०	अपिबम्	अपिबाव	अपिबाम

5. नश् (नष्ट होना)

लट् लकार

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्र० पु०	नश्यति	नश्यत:	नश्यन्ति
म० पु०	नश्यसि	नश्यथ:	नश्यथ
उ० पु०	नश्यामि	नश्याव:	नश्याम:

लोट् लकार

प्र० पु०	नश्यतु	नश्यताम्	नश्यन्तु
म० पु०	नश्य	नश्यतम्	नश्यत
उ० पु०	नश्यानि	नश्याव	नश्याम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	नश्येत्	नश्येताम्	नश्येयु:
म० पु०	नश्ये:	नश्येतम्	नश्येत
उ० पु०	नश्येयम्	नश्येव	नश्येम

लङ् लकार

प्र० पु०	अनश्यत्	अनश्यताम्	अनश्यन्
म० पु०	अनश्य:	अनश्यतम्	अनश्यत
उ० पु०	अनश्यम्	अनश्याव	अनश्याम

लृट् लकार

प्र० पु०	नक्ष्यति	नक्ष्यत:	नक्ष्यन्ति
म० पु०	नक्ष्यसि	नक्ष्यथ:	नक्ष्यथ
उ० पु०	नक्ष्यामि	नक्ष्याव:	नक्ष्याम:

6. आप् (प्राप्त करना)

लट् लकार

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्र० पु०	आप्नोति	आप्नुत:	आप्नुवन्ति
म० पु०	आप्नोषि	आप्नुथ:	आप्नुथ
उ० पु०	आप्नोमि	आप्नुव:	आप्नुम:

लङ् लकार

प्र० पु०	आप्नोत्	आप्नुताम्	आप्नुवन्
म० पु०	आप्नोः	आप्नुतम्	आप्नुत
उ० पु०	आप्नवम्	आप्नुव	आप्नुम

लोट् लकार

प्र० पु०	आप्नोतु	आप्नुताम्	आप्नुवन्तु
म० पु०	आप्नुहि	आप्नुतम्	आप्नुत
उ० पु०	आप्नवानि	आप्नवाव	आप्नवाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	आप्नुयात्	आप्नुयाताम्	आप्नुयुः
म० पु०	आप्नुयाः	आप्नुयातम्	आप्नुयात
उ० पु०	आप्नुयाम्	आप्नुयाव	आप्नुयाम

लृट् लकार

प्र० पु०	आप्स्यति	आप्स्यतः	आप्स्यन्ति
म० पु०	आप्स्यसि	आप्स्यथः	आप्स्यथ
उ० पु०	आप्स्यामि	आप्स्यावः	आप्स्यामः

7. इष् (इच्छा करना)

लट् लकार

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्र० पु०	इच्छति	इच्छतः	इच्छन्ति
म० पु०	इच्छसि	इच्छथः	इच्छथ
उ० पु०	इच्छामि	इच्छावः	इच्छामः **(2019AO)**

लङ् लकार

प्र० पु०	ऐच्छत्	ऐच्छताम्	ऐच्छन्
म० पु०	ऐच्छः	ऐच्छतम्	ऐच्छत
उ० पु०	ऐच्छम्	ऐच्छाव	ऐच्छाम

लोट् लकार

प्र० पु०	इच्छतु	इच्छताम्	इच्छन्तु
म० पु०	इच्छ	इच्छतम्	इच्छत
उ० पु०	इच्छानि **(2020MT)**	इच्छाव	इच्छाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	इच्छेत्	इच्छेताम्	इच्छेयुः
म० पु०	इच्छेः	इच्छेतम्	इच्छेत
उ० पु०	इच्छेयम्	इच्छेव	इच्छेम

लृट् लकार

प्र० पु०	एषिष्यति	एषिष्यतः	एषिष्यन्ति
म० पु०	एषिष्यसि	एषिष्यथः	एषिष्यथ
उ० पु०	एषिष्यामि	एषिष्यावः	एषिष्यामः

धातु-रूप (आत्मनेपदी)

(1) वृध् (बढ़ना)

लट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र० पु०	वर्धते	वर्धेते	वर्धन्ते
म० पु०	वर्धसे **(2020MU)**	वर्धेथे	वर्धध्वे **(2019AT)**
उ० पु०	वर्धे	वर्धावहे	वर्धामहे

लृट् लकार

प्र० पु०	वर्धिष्यते	वर्धिष्येते	वर्धिष्यन्ते
म० पु०	वर्धिष्यसे	वर्धिष्येथे	वर्धिष्यध्वे
उ० पु०	वर्धिष्ये	वर्धिष्यावहे	वर्धिष्यामहे

लोट् लकार

प्र० पु०	वर्धताम्	वर्धेताम्	वर्धन्ताम्
म० पु०	वर्धस्व	वर्धेथाम्	वर्धध्वम्
उ० पु०	वर्धै	वर्धावहै	वर्धामहै

लङ् लकार

प्र० पु०	अवर्धत	अवर्धेताम्	अवर्धन्त
म० पु०	अवर्धथा:	अवर्धेथाम्	अवर्धध्वम्
उ० पु०	अवर्धे	अवर्धावहि	अवर्धामहि

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	वर्धेत	वर्धेयाताम्	वर्धेरन्
म० पु०	वर्धेथा:	वर्धेयाथाम्	वर्धेध्वम्
उ० पु०	वर्धेय	वर्धेवहि	वर्धेमहि

(2) जन् (उत्पन्न करना)

लट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र० पु०	जायते	जायेते	जायन्ते
म० पु०	जायसे	जायेथे	जायध्वे
उ० पु०	जाये **(2020MP)**	जायावहे **(2018HQ)**	जायामहे

लोट् लकार

प्र० पु०	जायताम्	जायेताम्	जायन्ताम्
म० पु०	जायस्व	जायेथाम्	जायेध्वम्
उ० पु०	जायै	जायावहै	जायामहै

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	जायेत	जायेयाताम्	जायेरन्
म० पु०	जायेथा:	जायेयाथाम्	जायेध्वम्
उ० पु०	जायेय	जायेवहि	जायेमहि

लङ् लकार

प्र० पु०	अजायत	अजायेताम्	अजायन्त
म० पु०	अजायथा:	अजायेथाम्	अजायध्वम्
उ० पु०	अजाये	अजायावहि	अजायामहि

लृट् लकार

प्र० पु०	जनिष्यते	जनिष्येते	जनिष्यन्ते
म० पु०	जनिष्यसे	जनिष्येथे	जनिष्यध्वे
उ० पु०	जनिष्ये	जनिष्यावहे	जनिष्यामहे

धातु-रूप (उभयपदी)

1. नी (ले जाना)

(परस्मैपदी)

लट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र० पु०	नयति	नयत:	नयन्ति
म० पु०	नयसि	नयथ:	नयथ
उ० पु०	नयामि	नयाव:	नयाम:

लोट् लकार

प्र० पु०	नयतु **(2019AQ, 20MP)**	नयताम्	नयन्तु **(2020MS)**
म० पु०	नय	नयतम्	नयत
उ० पु०	नयानि	नयाव	नयाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	नयेत्	नयेताम्	नयेयु:
म० पु०	नये:	नयेतम्	नयेत
उ० पु०	नयेयम्	नयेव	नयेम

लङ् लकार

प्र० पु०	अनयत्	अनयताम्	अनयन्
म० पु०	अनय:	अनयतम्	अनयत
उ० पु०	अनयम्	अनयाव **(2020MQ)**	अनयाम

लृट् लकार

प्र० पु०	नेष्यति **(2020MO)**	नेष्यत:	नेष्यन्ति
म० पु०	नेष्यसि	नेष्यथ:	नेष्यथ
उ० पु०	नेष्यामि	नेष्याव:	नेष्याम:

(आत्मनेपदी)

लट् लकार

प्र० पु०	नयते	नयेते	नयन्ते
म० पु०	नयसे	नयेथे	नयध्वे
उ० पु०	नये	नयावहे	नयामहे

लोट् लकार

प्र० पु०	नयताम्	नयेताम्	नयन्ताम्
म० पु०	नयस्व	नयेथाम्	नयध्वम्
उ० पु०	नयै	नयावहै	नयामहै

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	नयेत	नयेयाताम्	नयेरन्
म० पु०	नयेथा:	नयेयाथाम्	नयेध्वम्
उ० पु०	नयेय	नयेवहि	नयेमहि

लङ् लकार

प्र० पु०	अनयत	अनयेताम्	अनयन्त
म० पु०	अनयथा:	अनयेथाम्	अनयध्वम्
उ० पु०	अनये	अनयावहि	अनयामहि

लृट् लकार

प्र० पु०	नेष्यते	नेष्येते	नेष्यन्ते
म० पु०	नेष्यसे	नेष्येथे	नेष्यध्वे
उ० पु०	नेष्ये	नेष्यावहे	नेष्यामहे

2. दा (देना)
(परस्मैपदी)

लट् लकार

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र० पु०	ददाति	दत्त:	ददति
म० पु०	ददासि **(2020MT)**	दत्थ:	दत्थ **(2019AT)**
उ० पु०	ददामि	दद्व:	दद्म:

लोट् लकार

प्र० पु०	ददातु	दत्ताम्	ददतु
म० पु०	देहि	दत्तम्	दत्त
उ० पु०	ददानि	ददाव	ददाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	दद्यात्	दद्याताम्	दद्यु:
म० पु०	दद्या:	दद्यातम्	दद्यात
उ० पु०	दद्याम्	दद्याव	दद्याम

लङ् लकार

प्र० पु०	अददात्	अदताम्	अददु:
म० पु०	अददा:	अदत्तम्	अदत्त
उ० पु०	अददाम्	अदद्व	अदद्म

लृट् लकार

प्र० पु०	दास्यति	दास्यत:	दास्यन्ति
म० पु०	दास्यसि	दास्यथ:	दास्यथ
उ० पु०	दास्यामि	दास्याव:	दास्याम: **(2019AQ)**

(आत्मनेपदी)

लट् लकार

प्र० पु०	दत्ते	ददाते	ददते
म० पु०	दत्से	ददाथे	दद्ध्वे
उ० पु०	ददे	दद्वहे	दद्महे

लोट् लकार

प्र० पु०	दत्ताम्	ददाताम्	ददताम्
म० पु०	दत्स्व	ददाथाम्	ददध्वम्
उ० पु०	ददै	ददावहै	ददामहै

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	ददीत	ददीयाताम्	ददीरन्
म० पु०	ददीथाः	ददीयाथाम्	ददीध्वम्
उ० पु०	ददीय	ददीवहि	ददीमहि

लङ् लकार

प्र० पु०	अदत्त	अददाताम्	अददत
म० पु०	अदत्थाः	अददाथाम्	अदद्ध्वम्
उ० पु०	अददि	अदद्वहि	अदद्महि

लृट् लकार

प्र० पु०	दास्यते	दास्येते	दास्यन्ते
म० पु०	दास्यसे	दास्येथे	दास्यध्वे
उ० पु०	दास्ये	दास्यावहे	दास्यामहे

3. ज्ञा (जानना)
(परस्मैपदी)

लट् लकार

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्र० पु०	जानाति	जानीतः	जानन्ति
म० पु०	जानासि	जानीथः	जानीथ
उ० पु०	जानामि	जानीवः	जानीमः

लोट् लकार

प्र० पु०	जानातु, जानीतात्	जानीताम्	जानन्तु
म० पु०	जानीहि, जानीतात्	जानीतम्	जानीत
उ० पु०	जानानि	जानाव	जानाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	जानीयात्	जानीयाताम्	जानीयुः
म० पु०	जानीयाः	जानीयातम्	जानीयात
उ० पु०	जानीयाम्	जानीयाव	जानीयाम

लङ् लकार

प्र० पु०	अजानात्	अजानीताम्	अजानन्
म० पु०	अजानाः	अजानीतम्	अजानीत
उ० पु०	अजानाम्	अजानीव	अजानीम

लृट् लकार

प्र० पु०	ज्ञास्यति	ज्ञास्यतः	ज्ञास्यन्ति
म० पु०	ज्ञास्यसि	ज्ञास्यथः	ज्ञास्यथ
उ० पु०	ज्ञास्यामि	ज्ञास्यावः	ज्ञास्यामः

(आत्मनेपदी)

लट् लकार

प्र० पु०	जानीते	जानाते	जानते
म० पु०	जानीषे	जानाथे	जानीध्वे
उ० पु०	जाने	जानीवहे	जानीमहे

लोट् लकार

प्र० पु०	जानीताम्	जानाताम्	जानताम्
म० पु०	जानीष्व	जानाथाम्	जानीध्वम्
उ० पु०	जानै	जानावहै	जानामहै

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	जानीत	जानीयाताम्	जानीरन्
म० पु०	जानीथा:	जानीयाथाम्	जानीध्वम्
उ० पु०	जानीय	जानीवहि	जानीमहि

लङ् लकार

प्र० पु०	अजानीत	अजानाताम्	अजानत
म० पु०	अजानीथा:	अजानाथाम्	अजानीध्वम्
उ० पु०	अजानि	अजानीवहि	अजानीमहि

लृट् लकार

प्र० पु०	ज्ञास्यते	ज्ञास्येते	ज्ञास्यन्ते
म० पु०	ज्ञास्यसे	ज्ञास्येथे	ज्ञास्यध्वे
उ० पु०	ज्ञास्ये	ज्ञास्यावहे	ज्ञास्यामहे

4. चुर् (चुराना)

(परस्मैपदी)

लट् लकार

पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्र० पु०	चोरयति	चोरयत:	चोरयन्ति
म० पु०	चोरयसि	चोरयथ:	चोरयथ
उ० पु०	चोरयामि	चोरयाव:	चोरयाम:

लोट् लकार

प्र० पु०	चोरयतु	चोरयताम्	चोरयन्तु
म० पु०	चोरय	चोरयतम्	चोरयत
उ० पु०	चोरयाणि	चोरयाव	चोरयाम

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	चोरयेत्	चोरयेताम्	चोरयेयु:
म० पु०	चोरये:	चोरयेतम्	चोरयेत
उ० पु०	चोरयेयम्	चोरयेव	चोरयेम

लङ् लकार

प्र० पु०	अचोरयत्	अचोरयताम्	अचोरयन्
म० पु०	अचोरय:	अचोरयतम्	अचोरयत **(2018AQ)**
उ० पु०	अचोरयम्	अचोरयाव	अचोरयाम

लृट् लकार

प्र० पु०	चोरयिष्यति	चोरयिष्यत:	चोरयिष्यन्ति
म० पु०	चोरयिष्यसि	चोरयिष्यथ:	चोरयिष्यथ
उ० पु०	चोरयिष्यामि	चोरयिष्याव:	चोरयिष्याम:

(आत्मनेपदी)

लट् लकार

प्र० पु०	चोरयते	चोरयेते	चोरयन्ते
म० पु०	चोरयसे	चोरयेथे	चोरयध्वे
उ० पु०	चोरये	चोरयावहे	चोरयामहे

लोट् लकार

प्र० पु०	चोरयताम्	चोरयेताम्	चोरयन्ताम्
म० पु०	चोरयस्व	चोरयेथाम्	चोरयध्वम्
उ० पु०	चोरयै	चोरयावहै	चोरयामहै

विधिलिङ् लकार

प्र० पु०	चोरयेत	चोरयेयाताम्	चोरयेरन्
म० पु०	चोरयेथा:	चोरयेयाथाम्	चोरयेध्वम्
उ० पु०	चोरयेय	चोरयेवहि	चोरयेमहि

लङ् लकार

प्र० पु०	अचोरयत	अचोरयेताम्	अचोरयन्त
म० पु०	अचोरयथा:	अचोरयेथाम्	अचोरयध्वम्
उ० पु०	अचोरये	अचोरयावहि	अचोरयामहि

लृट् लकार

प्र० पु०	चोरयिष्यते	चोरयिष्येते	चोरयिष्यन्ते
म० पु०	चोरयिष्यसे	चोरयिष्येथे	चोरयिष्यध्वे
उ० पु०	चोरयिष्ये	चोरयिष्यावहे	चोरयिष्यामहे

अभ्यास प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए–

1. **'पिबाम:' धातु रूप का पुरुष व वचन है–**
(अ) प्रथम पुरुष बहुवचन (ब) मध्यम पुरुष एकवचन (स) उत्तम पुरुष बहुवचन (द) प्रथम पुरुष एकवचन।

2. **'भवति' किस लकार का रूप है?**
(अ) लृट् (ब) लट् (स) लङ् (द) लोट्

3. **'भवेयु:' रूप किस लकार का है?**
(अ) लृट् का (ब) लङ् का (स) विधिलिङ् का (द) लोट् का

4. **'ज्ञास्यति' किस लकार का रूप है?**
(अ) लट् (ब) लङ् (स) लृट् (द) लोट्

5. **लृट् लकार सम्बन्धित है–**
(अ) वर्तमान काल से (ब) भविष्यत् काल से (स) आज्ञार्थक से (द) भूतकाल से।

6. **'पास्यति' किस लकार का रूप है?** **(2018HT)**
(अ) लोट् लकार (ब) लृट् लकार (स) लट् लकार (द) लङ् लकार

7. **'नयाम:' धातु-रूप का पुरुष व वचन है–**
(अ) प्रथम पुरुष, बहुवचन (ब) मध्यम पुरुष, एकवचन (स) उत्तम पुरुष, बहुवचन (द) प्रथम पुरुष, एकवचन

8. **'नेष्यामि' धातुरूप का पुरुष और वचन है–**
(अ) प्रथम पुरुष, बहुवचन (ब) मध्यम पुरुष, एकवचन (स) उत्तम पुरुष, एकवचन (द) प्रथम पुरुष, बहुवचन

9. **'अपिबत्' रूप किस लकार का है?**
(अ) लट् लकार का (ब) लोट् लकार का (स) लङ् लकार का (द) विधिलिङ् लकार का

10. **'लिखत' किस लकार का रूप है?**
(अ) लट् (ब) लोट् (स) विधिलिङ् (द) लङ्

11. **'पा' धातु के लट् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन का सही रूप होगा–**
(अ) पिबामि (ब) पिबाव: (स) पिबाम: (द) अपिबत्

12. **'पश्यानि' रूप किस लकार का है?**
(अ) लट् लकार (ब) लोट् लकार (स) लृट् लकार (द) लङ् लकार

13. **'चोरयति' धातु रूप का पुरुष व वचन है–**
(अ) प्रथम पुरुष एकवचन (ब) मध्यम पुरुष एकवचन (स) उत्तम पुरुष द्विवचन (द) इनमें से कोई नहीं

14. **'अभवन्' किस पुरुष और वचन का रूप है?**
(अ) प्रथम पुरुष बहुवचन (ब) मध्यम पुरुष बहुवचन
(स) उत्तम पुरुष एकवचन (द) उत्तम पुरुष द्विवचन

15. **'भविष्यति' रूप किस लकार का है?**
(अ) लट् (ब) लोट् (स) लङ् (द) लृट्

16. **'पृच्छाम:' रूप में पुरुष एवं वचन बताइए।**
(अ) उत्तम पुरुष बहुवचन (ब) प्रथम पुरुष बहुवचन (स) मध्यम पुरुष बहुवचन (द) उत्तम पुरुष एकवचन

17. पतिष्यति रूप किस लकार का है?

(अ) लट् का (ब) लृट् का (स) लोट् का (द) लङ् का

18. 'पिबेयम्' रूप किस लकार का है?

(अ) लट् लकार (ब) लृट् लकार (स) लोट् लकार (द) विधिलिङ् लकार

19. तिष्ठन्तु किस लकार के किस पुरुष व वचन का रूप है?

(अ) लोट्लकार प्रथम पुरुष बहुवचन (ब) लङ्लकार प्रथम पुरुष बहुवचन

(स) लट्लकार प्रथम पुरुष बहुवचन (द) लट्लकार मध्यम पुरुष बहुवचन

20. 'ददति' रूप 'दा' धातु के लट्लकार के किस वचन का है?

(अ) एकवचन (ब) द्विवचन (स) बहुवचन (द) इनमें से कोई नहीं

21. भवेयुः किस लकार का रूप है?

(अ) लट् (ब) लोट् (स) विधिलिङ् (द) लृट्

22. 'स्थास्यामि' रूप किस लकार का है?

(अ) लट्लकार (ब) लोट्लकार (स) लृट्लकार (द) लङ्लकार

23. 'अस्तु' किस लकार के किस पुरुष का रूप है?

(अ) लोट्लकार प्रथम पुरुष (ब) लट्लकार मध्यम पुरुष (स) लङ्लकार मध्यम पुरुष (द) विधिलिङ्लकार प्रथम पुरुष

24. 'पिबेयम्' रूप किस लकार का है?

(अ) लट्लकार (ब) लोट्लकार (स) लृट्लकार (द) विधिलिङ्लकार

25. 'नश्येयुः' रूप किस लकार के किस पुरुष तथा किस वचन का है?

(अ) लट्लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन (ब) लोट्लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन

(स) लृट्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन (द) विधिलिङ्लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन

26. 'लप्स्ये' किस लकार के किस पुरुष व वचन का रूप है?

(अ) लोट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन (ब) लृट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(स) लृट्लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन (द) विधिलिङ्लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन

27. 'स्तः' रूप किस लकार का है?

(अ) लट्लकार (ब) लोट्लकार (स) लृट्लकार (द) लङ्लकार

28. 'लभेम्' रूप में पुरुष व वचन बताइए–

(अ) मध्यम पुरुष, एकवचन (ब) उत्तम पुरुष, बहुवचन

(स) मध्यम पुरुष, बहुवचन (द) उत्तम पुरुष, एकवचन

29. 'आसीत्' रूप किस लकार का है?

(अ) लट्लकार (ब) लोट्लकार (स) लङ्लकार (द) लृट्लकार

30. 'द्रक्ष्यन्ति' रूप किस लकार के किस पुरुष व वचन का है?

(अ) लङ्लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन (ब) लृट्लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन

(स) लृट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन (द) लोट्लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन

31. 'दद्यात्' किस पुरुष व वचन का रूप है?

(अ) प्रथम पुरुष, एकवचन (ब) मध्यम पुरुष, एकवचन (स) उत्तम पुरुष, एकवचन (द) उत्तम पुरुष, द्विवचन

32. 'अभवम्' किस पुरुष व वचन का रूप है?

(अ) प्रथम पुरुष, एकवचन (ब) उत्तम पुरुष, एकवचन (स) उत्तम पुरुष, बहुवचन (द) मध्यम पुरुष, एकवचन

33. 'भवेत्' किस लकार, वचन आदि का रूप है–

(अ) लट् लकार, प्र0 पुरुष, द्विवचन (ब) लृट् लकार, उ0 पुरुष, बहुवचन

(स) विधिलिङ् लकार, प्र0 पुरुष, एकवचन

34. 'पिबताम्' में कौन-सा लकार, पुरुष व वचन है?

(अ) लट् लकार, उ0 पुरुष, बहुवचन (ब) लोट लकार, प्र0 पुरुष, द्विवचन

(स) लङ् लकार, उ0 पुरुष, एकवचन (द) लृट् लकार, म0 पुरुष, द्विवचन

35. 'नश्यतु' किस लकार एवं वचन का रूप है? (2019AU)

(अ) लट् लकार, एकवचन (ब) लोट् लकार, एकवचन (स) लृट् लकार, एकवचन

36. 'पठेत्' किस लकार का रूप है?

(अ) लट् (ब) विधिलिङ् (स) लृट्

37. 'भवथ' किस लकार का रूप है?

(अ) लङ्लकार, म0 पुरुष, बहुवचन (ब) लट्लकार, म0 पुरुष, बहुवचन

(स) लोट् लकार, म0 पुरुष, बहुवचन

38. 'नश्येत्' किस लकार का रूप है?

(अ) लट् लकार, एकवचन (ब) विधिलिङ्, एकवचन (स) लोट् लकार, एकवचन

39. 'नश्यतु' किस लकार का रूप है?

(अ) लट् (ब) लृट् (स) लोट् (द) लङ्

40. 'ऐच्छत्' किस लकार का रूप है?

(अ) लट् (ब) लृट् (स) लोट् (द) लङ्

41. 'वसेत्' किस लकार, वचन का रूप है?

(अ) लट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन (ब) विधिलिङ्, प्रथम पुरुष, एकवचन

(स) लङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

42. 'आप्नोत्' किस लकार का रूप है?

(अ) लट् (ब) लङ् (स) लोट् (द) लृट्

43. 'पठतु' पद किस धातु, लकार, पुरुष और वचन का रूप है?

(अ) लङ् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन (ब) लोट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

(स) विधिलिङ् लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन

44. 'नश्यतम्' पद किस धातु, लकार, पुरुष और वचन का रूप है?

(अ) लङ् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन (ब) लोट् लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन

(स) लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

45. 'पठेयुः' किस लकार का रूप है?

(अ) लट् (ब) लोट् (स) विधिलिङ् (द) लृट्

46. 'देहि' किस लकार का रूप है?

(अ) लट् (ब) लृट् (स) लोट् (द) विधिलिङ्

●